IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

जनांकिकीय प्रतिरूप का भौगोलिक अध्ययन

(मुंगेली जिले के विशेष संदर्भ में)

शोधार्थी

योगेन्द्र, निशा बंजारे, सोनिया सिंह

शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

शोध निर्देशक

डॉ. सेवन कुमार भारती

शास. चन्दूलाल चन्द्राकर, स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पाटन दुर्ग (छ.ग.)

शोध सारांश :

किसी भी देश, राज्य और जिले की जनसंख्या या मानव संसाधन उसकी सबसे बड़ी पूँजी होती हैं, जनसंख्या के उपयुक्त आकार और श्रेष्ठ गुणात्मक विशेषताओं के आधार पर ही क्षेत्र विशेष का विकास निर्भर करता है। क्षेत्र विशेष का सामाजिक आर्थिक विकास में वहां की जनसंख्या तथा जनांकिकीय विशेषताओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जनांकिकीय विशेषताओं के आधार पर ही किसी विकास कार्यक्रम का क्रियान्वयन किया जाता है।

जनांकिकीय के अन्तर्गत जनसंख्या संबंधी तथ्यों का अध्ययन किया जाता हैं, इसके अंतर्गत जनसंख्या वितरण, घनत्व, लिंगानुपात, सक्षरताः व्यवसायिक संरचना, जन्म दर, मृत्यु दर आदि गुणों का अध्ययन किया जाता हैं। मुंगेली जिले का विस्तार $21^0$32′ से $21^0$44′ उत्तरी अक्षांश तथा $81^0$06′ से $82^0$43′ पूर्वी देशांतर के मध्य स्थित है। मुंगेली जिला का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 2750.36 वर्ग किमी. तथा जिले की जनसंख्या 2011 की जनगणना के अनुसार 701707 है। कुल जनसंख्या घनत्व 428 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी. में निवास करते है।

यहां की कुल जनसंख्या में पुरुष जनसंख्या का प्रतिशत 50.65ः तथा महिला जनसंख्या का प्रतिशत 49.35ः है। इससे स्पष्ट होता है कि यहां स्त्री–पुरुष अनुपात में भिन्नताएँ कम हैं। मुंगेली जिले में कुल साक्षरता दर 64.75ः है, जबकि छत्तीसगढ़ राज्य में कुल साक्षरता दर 70.28ः हैं, इससे स्पष्ट है कि अध्ययन क्षेत्र में राज्य की साक्षरता दर की तुलना में कम है। व्यवसायिक संरचना की दृष्टि से मुंगेली जिले में कुल जनसंख्या का 48.20ः कार्यशील जनसंख्या है तथा 51.80ः जनसंख्या अकार्यशील है। यहां की कुल कार्यशील जनसंख्या में सार्वाधिक खेतिहर मजदूर है, जिनका प्रतिशत कार्यशील जनसंख्या का 37.79ः है।

मुंगेली जिले की जनांकिकीय अध्ययन का प्रमुख उद्देश्य यहां की जनसंख्या का क्षेत्रिय वितरण, घनत्व, लिगांनुपात, साक्षरता प्रतिरूप एंव व्यवसायिक संरचना का अध्ययन एवं इसके प्रभाव का आकलन करना है।

मुख्य शब्द – जनांकिकीय, जनसंख्या वितरण, घनत्व, लिंगानुपात, साक्षरता प्रतिरूप, व्यवसायिक संरचना।

प्रस्तावना :–

किसी भी देश के सामाजिक आर्थिक विकास के विभिन्न चरणों का संरचनात्मक स्वरूप जनसंख्या द्वारा ही निर्धारित होता है। जनसंख्या अपनी मात्रात्मक एवं गुणात्मक विशेषताओं के अनुसार किसी क्षेत्र के लिए वरदान और अभिशाप दोनों है।

जनसंख्या की स्थानिक, समाजिक, आर्थिक और धार्मिक संरचना उसे एक संसाधन के रूप मे विकसीत करती है, साथ ही साथ किसी क्षेत्र के सामाजिक–आर्थिक विकास में वहां की जनसंख्या तथा जनांकिकीय विशेषताओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

जनांकिकीय विशेषताओं का विश्लेषण भौगोलिक अध्ययन के केन्द्रीय तत्व के रूप में किया जाता है क्योंकि मानव विविध संसाधनों का प्रणेता उपभोक्ता एवं सांस्कृतिक पर्यावरण का निर्माता भी है।

जनांकिकीय के अन्तर्गत जनसंख्या सम्बन्धी तथ्यों का अध्ययन किया जाता है। इसके अन्तर्गत जनसंख्या वितरण, घनत्वः लिंगानुपात, साक्षरता, जन्मदर, मृत्युदर एवं जनसख्या की व्यवसायिक संरचना आदि गुणों को सम्मिलित किया जाता है। जनसंख्या द्वारा किसी प्रदेश वस्तुओं व सेवाओं का उत्पादन, वितरण एवं उपभोग किया जाता है और प्रदेश की आर्थिक विकास का संवर्धन करती है जनांकिकीय विशेषताओं के आधार पर ही किसी प्रदेश में कोई भी विकास कार्यक्रम कार्यान्वित किया जाता है।

जनांकिकीय के सभी तत्व गतिशील होते है तथा इनमें बदलते समय के साथ–साथ परिवर्तन होता रहता है जनांकिकीय के द्वारा जनसंख्या की स्थिति तथा उनमें होने वाले परिवर्तनों के माप का अध्ययन एवं विश्लेषण किया जाता है।

महत्व :–

1. जनसंख्या के आयु, लिंग, जाति, धर्म और अन्य सामाजिक आर्थिक कारकों का विश्लेषण करके समाज की संरचना का अध्ययन करना है।
2. जनसंख्या की संख्या, वृद्धि दर और भौगोलिक वितरण का अध्ययन नीतियों और योजनाओं के निर्माण में सहायक होता है।
3. जनसंख्या प्रतिरूप से यह ज्ञात किया जाता है कि क्षेत्र में संसाधनों की मांग और आपूर्ति के बीच संतुलन बनाए रखना।
4. जनसंख्या घनत्व और वितरण का अध्ययन प्राकृतिक आपदाओं या अन्य संकटो के समय राहत कार्यों को प्रभावी बनाने में सहायक होता है।
5. जनसंख्या के प्रतिरूप का अध्ययन सामाजिक और आर्थिक मुद्दों पर शोध करने वाले वैज्ञानिको और छात्रों के लिए उपयोगी होता है।

अध्ययन क्षेत्र :–

मुंगेली जिला (छ.ग.) राज्य के उत्तर पश्चिम दिशा में स्थित है जिसका अक्षांशीय विस्तार $21^0$32′ से $21^0$44′ उत्तरी अक्षांश एवं $81^0$06′ से $82^0$43′ पूर्वी देशांतर के बीच अवस्थित है तथा समुद्र तट से इसकी ऊँचाई 833 फिट है।

इसकी उत्तर में गौरेला–पेण्ड्रा–मरवाही जिला पूर्व में बिलासपुर, दशिण में बेमेतरा, दक्षिण पूर्व में बलौदाबाजार भाटापारा, पश्चिम तथा दक्षिण पश्चिम में कबीरधाम तथा उत्तर पश्चिम में मध्यप्रदेश राज्य की सीमा द्वारा घिरा हुआ है।

इस जिले में 2011 की जनगणना के अनुसार 3 विकासखण्ड, 4 तहसील, 1 नगरपालिका, 3 नगर पंचायत, 3 जनपद पंचायत, 350 ग्राम पंचायत, 682 आबाद ग्राम 29 गैर आबाद ग्राम कुल 711 भौगोलिक ग्रामों की संख्या है।

Location Map:-

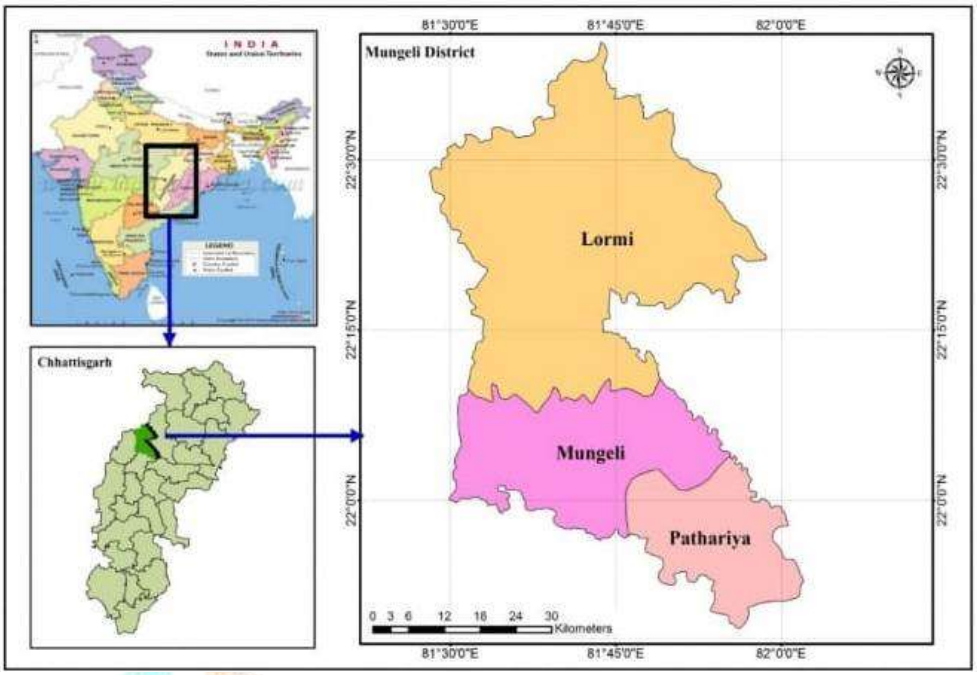

अध्ययन का उद्देश्य :–

प्रस्तुत शोध प्रपत्र में मुंगेली जिले की जनांकिकीय विशेषताओं का अध्ययन निम्न उद्देश्यों को ध्यान में रखकर किया गया है :–

1. मुंगेली जिले में जनसंख्या की क्षेत्रीय विभिन्नता एवं जनसंख्या के जनांकिकीय विशेषताओं का अध्ययन एवं विश्लेषण प्रस्तुत करना।
2. मुंगेली जिले में जनसंख्या की वर्तमान अवस्था क्या है इस तथ्य का पता लगाना।
3. मुंगेली जिले में जनसंख्या का वितरण प्रतिरूप एवं घनत्व की वास्तविक स्थिति ज्ञात करना।
4. मुंगेली जिले में लिंगानुपात की स्थिति का अध्ययन करना।
5. मुंगेली जिले में साक्षरता प्रतिरूप का आकलन करना।
6. अध्ययन क्षेत्र में जनसंख्या की व्यवसायिक संरचना की विशेषताओं को प्रकाश में लाना।

विधितंत्र :–

प्रस्तुत अध्ययन क्षेत्र में द्वितीयक आंकड़ो का संग्रह कर वर्णनात्मक एवं विश्लेषात्मक विधितंत्र का प्रयोग करते हुए आंकड़ों का विश्लेषण कर अध्ययन क्षेत्र की जनांकिकीय प्रतिरूप को प्रकाश में लाया गया है।

आंकड़ों का संकलन जिला सांख्यिकी पुस्तिका 2016–17, जनसंख्या सम्बन्धी पत्रिकाओं द्वारा एकत्र किया गया है।

इस अध्ययन में सारणी, तालिका एवं मानचित्रों के द्वारा तथा आरेखों के माध्यम से आंकड़ों का प्रस्तुतीकरण किया गया है।

जनांकिकीय प्रतिरूप :–

प्रस्तुत अध्ययन क्षेत्र में जनांकिकीय प्रतिरूप के अन्तर्गत जनसंख्या वितरण, घनत्व, लिंगानुपात, साक्षरता तथा व्यवसायिक संरचना आदी का अध्ययन कर विश्लेषण एवं प्रस्तुतिकरण किया गया है–

1. जनसंख्या वितरण :–

जनसंख्या वितरण के अध्ययन से किसी क्षेत्र मे मानव समूह के संकेन्द्रण या विकेन्द्रण की स्थिति स्पष्ट होती है। अध्ययन क्षेत्र में 2011 की जनगणना के अनुसार कुल जनसंख्या 701707 व्यक्ति है, जिसमें से 636268 व्यक्ति ग्रामीण क्षेत्रों में तथा 65439 व्यक्ति नगरीय क्षेत्रों में निवास करते हैं।

मुंगेली जिले में जनसंख्या वितरण का प्रत्यक्ष सम्बन्ध कृषि से है, कृषि की दृष्टि से अनुकूल समतल भूमि, उपजाऊ मिट्टी वाले क्षेत्रों में ग्रामीण जनसंख्या का अधिक संकेन्द्रण हुआ है। पहाड़ी तथा ढालू भूमि वाले क्षेत्रों में जनसंख्या विरल है।

मुंगेली जिले में विकासखण्ड जनसंख्या वितरण

विकासखण्ड	जनसंख्या	जनसंख्या (:)
लोरमी	274859	39ण्17 :
मुंगेली	249229	35ण्51 :
पथरिया	177619	25ण्32 :
जिला – मुंगेली	701707	100 :

स्त्रोत : जिला सांख्यिकी पुस्तिका 2016–17, जिला – मुंगेली

जनसंख्या वितरण के आधार पर अध्ययन क्षेत्र को तीन भागों में विभाजित किया गया है –

;पद्ध **उच्च जनसंख्या वितरण क्षेत्र :–**

मुंगेली जिले में उच्च जनसंख्या वितरण लोरमी विकासखण्ड में है, यहां की कुल जनसंख्या 274859 है जहाँ जिले की 39.17ः जनसंख्या निवास करती है। जिसका मुख्य कारण है कि लोरमी विकासखण्ड जिले का सबसे बड़ा विकासखण्ड है, इस विकासखण्ड का क्षेत्रफल सम्पूर्ण जिले के क्षेत्रफल का 58.98ः है।

;पपद्ध **मध्यम जनसंख्या वितरण क्षेत्र :–**

अध्ययन क्षेत्र में मध्यम जनसंख्या का वितरण मुंगेली विकासखण्ड में है जहाँ 249229 व्यक्ति निवास करते हैं जो सम्पूर्ण जिले का 35.51ः है।

;पपपद्ध **निम्न जनसंख्या वितरण क्षेत्र :–**

अध्ययन क्षेत्र में पथरिया विकासखण्ड में निम्न जनसंख्या वितरण पाया जाता है इस विकासखण्ड में 177619 व्यक्ति निवास करते है जो सम्पूर्ण जिले का 25.32ः है, इसका प्रमुख कारण यह है कि यह अध्ययन क्षेत्र का सबसे छोटा विकासखण्ड है यहाँ की कुल जनसंख्या का 92.21ः जनसंख्या गांवो में तथा 7.79ः जनसंख्या नगरों में निवास करती है।

2. जनसंख्या घनत्व :–

किसी प्रदेश का क्षेत्रफल तथा उस प्रदेश निवास करने वाली जनसंख्या के अनुपात को सामान्यतः जनसंख्या का घनत्व कहा जाता है।

जनसंख्या घनत्व भूमि के प्रति इकाई क्षेत्रफल पर जनदाब को व्यक्त करता है। मुंगेली जिले की कुल आबादी 701707 है तथा कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 2750.36 वर्ग किमी है अतः 2011 की जनगणना के अनुसार अध्ययन क्षेत्र में 428 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी क्षेत्र में निवास करती है।

मुंगेली जिला (छ.ग.) में विकासखण्डवार जनसंख्या घनत्व 2011

विकासखण्ड	क्षेत्रफल (वर्ग किमी)	जनसंख्या	जनसंख्या घनत्व
लोरमी	16223.40	274859	526
मुंगेली	613.32	249229	406
पथरिया	514.64	177619	345
जिला – मुंगेली	2750.36	701707	428

स्त्रोत : जिला सांख्यिकी पुस्तिका 2016–17, जिला – मुंगेली

मुंगेली जिले की जनसंख्या घनत्व

जनसंख्या घनत्व के आधार पर अध्ययन क्षेत्र को तीन भागों में विभाजित किया गया है :–

;पद्ध **उच्च घनत्व वाले क्षेत्र –**

इसके अन्तर्गत 500 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी से अधिक जनसंख्या घनत्व वाले विकासखण्ड को रखा गया है। मुंगेली जिले के लोरमी विकासखण्ड इस श्रेणी के अंतर्गत आते हैं जहाँ जनसंख्या घनत्व 526 व्यक्ति प्रतिवर्ग किमी क्षेत्र में निवास करती है।

;पपद्ध **मध्यम घनत्व वाले क्षेत्र –**

इसके अंतर्गत 400–500 प्रति वर्ग किमी निवास करने वाले जनसंख्या घनत्व सम्मिलित किया गया है। अध्ययन क्षेत्र मुंगेली विकासखण्ड में 400–500 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी क्षेत्र के मध्य जनसंख्या घनत्व पाया जाता है, जहां की कुल जनसंख्या घनत्व 406 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी है।

;पपपद्ध **न्यून घनत्व वाले क्षेत्र –**

इसके अन्तर्गत 300–400 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी जनसंख्या घनत्व वाले विकासखण्ड को शामिल किया गया है। अध्ययन क्षेत्र के पथरिया विकासखण्ड में न्यून जनसंख्या घनत्व पाया जाता है जहां की कुल जनसंख्या घनत्व 345 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी क्षेत्र में निवास करती है।

3. लिंगानुपात –

किसी प्रदेश की जनसंख्या में सभी आयु –वर्ग के कुल पुरूषों व कुल स्त्रियों के अनुपात को लिंगानुपात कहते हैं जो प्रति हजार पुरूषों पर स्त्रियों की संख्या को प्रकट करता है वास्तव में लिंगानुपात किसी प्रदेश की अर्थव्यवस्था का सूचक होता है और स्थानिक भिन्न्ता के विश्लेषण में एक उपयोगी उपकरण के रूप में कार्य करता है।

लिंगानुपात का अध्ययन इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि इसका प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष प्रभाव विभिन्न जनांकिकीय तत्वों प्रजननता, मर्त्यता, जनसंख्या परिवर्तन, व्यवसायिक संरचना आदि पर स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।

मुंगेली जिला (छ.ग.) में विकासखण्डवार लिंगानुपात 2011

विकासखण्ड	जनसंख्या	पुरूष जनसंख्या	महिला जनसंख्या	लिंगानुपात (प्रति हजार पुरूषों पर महिला)
लोरमी	274859	138959	135900	978
मुंगेली	249229	126407	122822	972
पथरिया	177619	90083	87536	971
जिला – मुंगेली	701707	355449	346258	971

स्त्रोत : जिला सांख्यिकी पुस्तिका 2016–17

अध्ययन क्षेत्र में जनगणना वर्ष 2011 में लिंगानुपात के प्राप्त आंकड़ो के अनुसार विकासखण्डवार विश्लेषण से यह विदित होता है कि सम्पूर्ण जिले में लिंगानुपात 974 है।

अध्ययन क्षेत्र में सर्वाधिक लिंगानुपात लोरमी विकासखण्ड में 978 है जो सम्पूर्ण जिले के लिंगानुपात से भी अधिक है। इसका मुख्य कारण है कि यहां कि महिलाओं में जागरूकता, भ्रूण हत्या जैसी घटनाओं में कमी, सामाजिक आर्थिक कार्यो में महिलाओं की अधिक भागीदारी के परिणाम स्वरूप यहां लिंगानुपात अधिक है।

अध्ययन क्षेत्र में न्यून लिंगानुपात पथरिया विकासखण्ड में 971 है इस विकासखण्ड में महिलाओं की संख्या में कमी का प्रमुख कारण पुरूष वर्ग को जन्म से ही प्राथमिकता, परमपरागत रूप में पुत्र कामना की इच्छा, पालन पोषण मे भेदभाव, शिक्षा की कमी आदि है अध्ययन क्षेत्र के मुंगेली विकासखण्ड में 972 लिंगानुपात पाया जाता है।

4. साक्षरता :–

साक्षरता का शाब्दिक अर्थ है व्यक्ति के साक्षर (अक्षरयुक्त) होने का गुण। सामान्य अर्थ में साक्षर व्यक्ति वह है जो किसी भाषा को पढ़ना और लिखना जानता है। अर्थात जो व्यक्ति कम से कम किसी एक भाषा में पढ़ना और लिखना जानता है तथा अपना हस्ताक्षर बना लेता है उसे साक्षर माना जाता है।

जनसंख्या के ऐसे वर्ग जो किसी एक या एक से अधिक भाषा में अपने विचार लिखकर व्यक्त कर सके तथा लिखे हुए को पढ़कर समझ सके।

वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार उस व्यक्ति (स्त्री/पुरूष) को साक्षर माना गया है जो किसी भाषा को पढ़ लिखकर समझ सकता है इसके लिए जरूरी नहीं है कि उस व्यक्ति ने कोई औपचारिक शिक्षा प्राप्त की हो या कोई परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

मुंगेली जिला (छ.ग.) में विकासखण्डवार साक्षरता 2011

विकासखण्ड	जनसंख्या	साक्षर जनसंख्या	साक्षर (प्रतिशत में)	साक्षर पुरूष (प्रतिशत में)	साक्षर महिला (प्रतिशत में)
लोरमी	274859	141665	62.61	75.31	49.62
मुंगेली	249229	138885	66.99	79.00	54.63
पथरिया	177619	95673	64.87	77.57	51.57
जिला – मुंगेली	701707	376223	64.75	77.20	51.97

स्त्रोत : जिला सांख्यिकी पुस्तिका 2016–17, जिला – मुंगेली

भारत में जनगणना वर्ष 1981 तक साक्षरता दर की गणना कुल जनसंख्या के आधार पर किया जाता था किन्तु जनगणना वर्ष 1991 के बाद से साक्षरता दर की गणना में 7 वर्ष या इससे अधिक आयु के व्यक्तियों को सम्मिलित किया जाता है अर्थात इससे कम आयु (0–6वर्ष) के सभी बच्चों को निरक्षर माना गया है चाहे उनकी शिक्षा का स्तर कोई भी हो।

साक्षरता दर ज्ञात करने के लिए 0–6 आयु वर्ग की जनसंख्या को सम्मिलित नहीं किया गया है। उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि अध्ययन क्षेत्र में कुल साक्षरता दर 64.75: है जबकि छ.ग. राज्य की कुल साक्षरता दर 70. 28 : है जिससे यह पता चलता है कि मुंगेली जिले में साक्षरता दर राज्य की तुलना में कम है। अध्ययन क्षेत्र में पुरूष साक्षरता 77.20: है तथा महिला साक्षरता 51.97: है जिससे यह ज्ञात होता है कि यहां स्त्री –पुरूष साक्षरता दर में अधिक भिन्नताएँ हैं।

विकासखण्डवार साक्षरता का अध्ययन करने से यह ज्ञात होता है कि अध्ययन क्षेत्र के मुंगेली विकासखण्ड में अधिक साक्षरता है जहां कुल साक्षरता दर 66.99: है तथा पुरूरष साक्षरता 79.00: है एवं महिला साक्षरता 54.63: है जिसका मुख्य कारण आस–पास के क्षेत्र में स्कूल–कॉलेजों का खुलना, आवागमन एवं संचार के साधनों का तेजी से विकास एवं उपलब्धता है।

अध्ययन क्षेत्र में सबसे कम साक्षरता लोरमी विकासखण्ड में है जहां की कुल साक्षरता दर 62.61: है तथा पुरूष साक्षरता 75.31: है एवं महिला साक्षरता 49.62: है इसका मुख्य कारण इस विकासखण्ड के अधिकांश भाग पर्वतीय तथा पहाड़ी सीमा क्षेत्र में संलग्न हैं जहां आवागमन के साधनों एवं शैक्षणिक संस्थाओं की संख्या कम है इसके अलावा यहां सामाजिक दृष्टि से स्त्री शिक्षा के प्रति विरूद्ध भाव, स्त्रियों के परिसंचरण पर अवरोध, समाज में निम्न स्तर स्त्रियों की कम उम्र मे विवाह का प्रचलन आदी है। अध्ययन क्षेत्र के पथरिया विकासखण्ड में कुल साक्षरता 64.87: है तथा पुरूष साक्षरता 77.57: है एवं महिला साक्षरता 51.57: है ।

5. व्यवसायिक संरचना :–

व्यवसायिक संरचना के अंतर्गत कुल जनसंख्या में कार्यरत जनसंख्या के विभिन्न व्यवसाय अथवा कार्यों में संलग्नता का अध्ययन किया जाता है। किसी प्रदेश की आर्थिक संरचना का आकलन वहां की सम्पूर्ण जनसंख्या में कार्य करने वाले व्यक्तियों से किया जाता है। क्योंकि जिन क्षेत्रों में कार्यरत व्यक्तियों का प्रतिशत अधिक होता है उन क्षेत्रों की आर्थिक संरचना भी सुदृढ़ होती है।

व्यवसायिक संरचना से तात्पर्य सम्पूर्ण कार्यरत जनसंख्या का विभिन्न कार्य वर्ग के अंतर्गत विश्लेषण करना है, इससे किसी क्षेत्र की सम्पूर्ण जनसंख्या में कार्यरत जनशक्ति एवं पराश्रितों का अनुपात ज्ञात होता है साथ ही कार्य –विशेष में संलग्न जनसंख्या की सापेक्षिक स्थिति भी स्पष्ट हो जाती है। जनांकिकीय अध्ययन में व्यवसायिक संरचना का अध्ययन देश अथवा क्षेत्र की अर्थव्यवस्था के प्रकार, आर्थिक संरचना की प्रवृत्ति आर्थिक विकास के स्तर, आर्थिक कार्यो में संलग्न जनसंख्या इत्यादि के ज्ञानार्थ किया जाता है। अग्रवाल (1977) के अनुसार – किसी प्रदेश की व्यवसायिक संरचना के अध्ययन से क्षेत्र विशेष के निवासियों के रहन–सहन एवं जीवन–यापन के स्तर का सटीक अनुगमन लगाया जा सकता है।

मुंगेली जिला (छ.ग.) में विकासखण्डवार व्यवसायिक संरचना 2011

विकासखण्ड	कुल जनसंख्या	कार्यशील		मुख्य कार्यशील				सीमित कार्यशील (:)	अकार्यशील जनसंख्या (:)
		व्यक्ति	प्रतिशत (:)	कृषक	खेतिहर मजदूर	पारिवारिक उद्योग	अन्य		
लोरमी	274859	136845	49ण्78	23ण्17	39ण्19	1ण्00	7ण्81	28ण्83	50ण्22
मुंगेली	249229	114344	45ण्87	25ण्78	38ण्02	0ण्74	12ण्73	22ण्73	54ण्13
पथरिया	177619	87043	49ण्09	31ण्95	31ण्95	0ण्39	6ण्75	25ण्61	50ण्91
जिला – मुंगेली	701707	338232	48ण्20	26ण्31	26ण्31	0ण्76	9ण्20	25ण्94	51ण्80

स्त्रोत : जिला सांख्यिकी पुस्तिका, जिला – मुंगेली 2016–17

अध्ययन क्षेत्र में व्यवसायिक संरचना के अंतर्गत आर्थिक दृष्टि से सम्पूर्ण जिले की कुल जनसंख्या को दो वर्गो में विभक्त किया गया है –

;पद्ध **अकार्यशील जनसंख्या –**

अकार्यशील जनसंख्या के अंनर्गत उन व्यक्तियों को शामिल किया जाता है जिनकी उम्र 0–14 आयु वर्ग के बच्चे एवं 60 से अधिक आयु वर्ग के वृद्ध है। जो किसी प्रकार का उत्पादन कार्य नहीं करते हैं जैसे– विद्यार्थी, बालक–बालिका विकलांग, वृद्ध, पेशनभोगी, गृह कार्य करने वाले जेलो में रहने वाले कैदी एवं अभियुक्त पराश्रित इत्यादि।

अध्ययन क्षेत्र में कुल जनसंख्या का 51.80ः अकार्यशील जनसंख्या निवास करती है। विकासखण्डवार अध्ययन करने से यह ज्ञात होता है कि सर्वाधिक अकार्यशील जनसंख्या मुंगेली विकासखण्ड में 54.13ः निवास करती है इसके अलावा पथरिया विकासखण्ड में 51.91ः एवं लोरमी विकासखण्ड में 50.22ः अकार्यशील जनसंख्या निवास करती है।

;पपद्ध **कार्यशील जनसंख्या –**

कार्यशील जनसंख्या वह है जो 15–59 आयु वर्ग के है तथा आर्थिक क्रियाओं और सेवाओं से उत्पादन में संलग्न है अर्थात जो किसी रोजगार नौकरी पेशे में लगे हो और उनके बदले उन्हे वेतन प्राप्त होता हो।

अध्ययन क्षेत्र में सम्पूर्ण जनसंख्या का 48.20ः कार्यशील जनसंख्या निवास करती है। विकासखण्डवार विश्लेषण करने से यह पता चलता है कि लोरमी विकासखण्ड में 49.78ः तथा मुंगेली विकासखण्ड में 45.87ः एवं पथरिया विकासखण्ड में 49.09ः कार्यशील जनसंख्या निवास करती है ।

कार्यशील जनसंख्या को पुनः दो वर्गो में विभाजित किया गया है –

;।द्ध **सीमांत कार्यशील जनसंख्या –**

कार्यशील जनसंख्या का वह भाग जो वर्ष में 6 माह या 183 दिन से कम समय तक कार्य किया हो उसे सीमांत कार्यशील जनसंख्या कहते हैं। इसके अन्तर्गत मुख्यतः महिलाओं व बच्चों को सम्मिलित किया जाता है यद्यपि कुछ पुरूष भी शामिल होते हैं।

अध्ययन क्षेत्र में कुल कार्यशील जनसंख्या का 25.94ः सीमांत कार्यशील जनसंख्या है। जहां लोरमी विकासखण्ड में 28.83ः है जो सम्पूर्ण जिले में सर्वाधिक है तथा सबसे कम मुंगेली विकासखण्ड में 22.73ः है एवं पथरिया विकासखण्ड में 25.61ः सीमांत कार्यशील जनसंख्या है।

;ठद्ध **मुख्य कार्यशील जनसंख्या –**

कार्यशील जनसंख्या का वह भाग जो वर्ष मे 6 माह या 183 दिन से अधिक समय तक कार्य किया हो उसे मुख्य कार्यशील जनसंख्या कहते हैं।

अध्ययन क्षेत्र में कार्यशील जनसंख्या का 74.06ः मुख्य कार्यशील जनसंख्या निवास करती है।
इसके अन्तर्गत कृषक, खेतिहर मजदूर, पारिवारिक उद्योग तथा अन्य सेवाओं में संलग्न जनसंख्या को सम्मिलित किया जाता है।

मुख्य कार्यशील जनसंख्या को पुनः 4 भागों में विभाजित किया गया है –

(अ) कृषक –

कृषक वह व्यक्ति माना जाता है जो स्वयं या परिवार कार्यकर्ता के रूप में अपनी स्वयं की जमीन, सरकारी पट्टे पर प्राप्त तथा किसी दूसरे व्यक्ति या संस्था से किराये पर ली गई हो अथवा अन्य प्रकार से प्राप्त जमीन पर खेती करता हो या अपने निर्देशन और देख–रेख में उस भूमि पर खेती करवाते हैं।
सम्पूर्ण मुंगेली जिले में कार्यशील जनसंख्या का 26.31ः कृषक है जिसमें सर्वाधिक कृषक पथरिया विकासखण्ड में 31. 59ः है तथा सबसे कम कृषक लोरमी विकासखण्ड में 23.17ः है एवं मुंगेली विकासखण्ड में 25.78ः जनसंख्या कृषक है।

(ब) खेतिहर मजदूर –

खेतिहर मजदूर वह व्यक्ति जो दूसरो के स्वामित्व वाली भूमि पर दैनिक, साप्ताहिक या मासिक मजदूरी प्राप्त कर अपने जिवकोपार्जन का कार्य करते हैं ऐसे मानव समूह को खेतिहर मजदूर की श्रेणी के अन्तर्गत सम्मिलित किया जाता है। अध्ययन क्षेत्र मे कार्यशील जनसंख्या का अधिकांश भाग (37.79ः) खेतीहर मजदूर है जिसमे सार्वाधिक खेतीहर मजदूर लोरमी विकासखण्ड में 39.19ः है तथा सबसे कम पथरिया विकासखण्ड में 35.30ः है एवं मुगेली विकासखण्ड में 38.02ः खेतिहर मजदूर है।

(स) पारिवारिक उद्योग –

पारिवारिक उद्योग वह उद्योग है जो परिवार के एक या अधिक सदस्यों द्वारा घर पर या ग्रामीण क्षेत्रों मे गाँव की परिसीमा के अन्तर्गत और नगरीय क्षेत्रों में उस मकान के अंदर या अहाते में जिसमें परिवार रहता है, चलाया जाता है भारतीय कारखाना अधिनियम के अधीन पंजीकृत होने योग्य उद्योग पारिवारिक उद्योग नहीं माने जाते हैं।

2011 की जनगणना के अनुसार अध्ययन क्षेत्र में कार्यशील जनसंख्या का सबसे कम (0.76:) जनसंख्या पारिवारिक उद्योग में संलग्न है

विकासखण्डवार अध्ययन करने से यह ज्ञात होता है कि सबसे अधिक लोरमी विकासखण्ड में 1.00: तथा मुंगेली विकासखण्ड में 0.74: एवं पथरिया विकासखण्ड में 0.39: जनसंख्या पारिवारिक उद्योग में कार्यरत है।

(द) अन्य –

इसके अंगर्गत सभी सरकारी कर्मचारी, नगरपालिका कर्मचारी, अध्यापक, कारखानों में काम करने वाले, बगान कर्मचारी, व्यापार, वाणिज्य, व्यवसाय, परिवहन, बैंकिग, खनन निर्माण, राजनैतिक या सामाजिक कार्य में कार्यरत व्यक्ति, पुजारी, मनोरंजन करने वाले कलाकार आदि आते हैं।

वास्तव में कृषक, खेतिहर मजदूर, तथा पारिवारिक उद्योग कर्मियों को छोड़कर सभी कार्य करने वाले अन्य कर्मी हैं। 2011 जनगणना के अनुसार अध्ययन क्षेत्र की संम्पूर्ण कार्यशील जनसंख्या में अन्य कर्मियों का प्रतिशत 9.20: है अन्य कर्मियों का सर्वाधिक प्रतिशत मुंगेली विकासखण्ड में 12.73: है तथा सबसे कम अन्य कर्मी पथरिया विकासखण्ड में 6.75: है एवं लोरमी विकासखण्ड में 7.81: अन्य कर्मी हैं।

निष्कर्ष –

उपर्युक्त शोध पत्र के अध्ययन से स्पष्ट होता है की अध्ययन क्षेत्र में जनसंख्या के वितरण में सार्वाधिक भिन्नताएँ है, यहां की अधिकांश जनसंख्या (90.67:) गाँवों में निवास करती है, नगरीय क्षेत्रो में कम जनसंख्या (9.33:) निवास करती है।

अध्ययन क्षेत्र में घनत्व की दृष्टि से भिन्नताएँ पायी गयी यहा लोरमी विकासखण्ड सार्वाधिक धनत्व तथा पथरिया विकासखण्ड में न्यूनतम जनघनत्व पाया गया।

मुंगेली जिले में लिंगानुपात के अध्ययन करने पर यह पाया गया की जिले में विकासखण्डवार लिंगानुपात में भिन्नताएँ कम है यहां निवास करने वाले महिलाओं एवं पुरुषो की साक्षरता दर सार्वाधिक असमानताएँ है महिलाओं की तुलना में पुरुषों में अधिक साक्षरता दर पायी गयी है तथा महिलाओं की स्थिति साक्षरता की दृष्टि निम्न है, सार्वाधिक साक्षरता मुंगेली विकासखण्ड में तथा न्यूनतम साक्षरता लोरमी विकासखण्ड में पाया गया। मुंगेली जिले की व्यवसायिक संरचना के अध्ययन से यह ज्ञात होता है की सम्पूर्ण जिले में अकार्यशील जनसंख्या अधिक है तथा कार्यशील जनसंख्या कम है, अध्ययन क्षेत्र में कृषि की प्रधानता हाने के कारण यहा की अर्थव्यवस्था कृषिएवं कृषि से सम्बंधित कार्यों में आधारित है, कार्यशील जनसंख्या में मुख्य श्रमिक अधिक तथा सीमांत श्रमिक कम है, मुख्य श्रमिकों में सार्वाधिक श्रमिक खेतिहर मजदूर है जो दूसरों की स्वामित्व वाली भूमि पर दैनिक, साप्ताहिक या मासिक मजदूरी प्राप्त करने हेतु कार्य करते हैं।

संदर्भ ग्रंथ सूची :–

- मौर्य, एस. डी. (2005) जनसंख्या भूगोल, शारदा पुस्तक भवन इलाहाबाद
- यादव, हीरालाल (1986) जनसंख्या भूगोल, वसुन्धरा प्रकाशन गोरखपुर
- हुसैन, माजिद (1997) मानव भूगोल, रावत पब्लिकेशन जयपुर
- जिला सांख्यिकी पुस्तिका (2016–17) जिला मुंगेली, जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय मुंगेली (छ.ग.)
- सिंह, राकेश कुमार (जून 2015) देवरिया जनपद में जनांककीय विशेषताएं उत्तर भारत भौगोलिक पत्रिका, अंक 45(1) 107–114 ISSN 0042-1618
- वर्मा, आरती एवं राणा, नरेन्द्र कुमार (जून 2015) गोरखपुर परिक्षेत्र में जनांकिकीय प्रतिरूप का भौगोलिक अध्ययन उत्तर भरत भूगोल पत्रिका अंक 45(1) 115–130 ISSN 0042-1618.
- कुमार गौतम (जून 2013) ''रोहतास जिला में जनसंख्या वितरण का प्रारूप'' उत्तर भारत भूगोल पत्रिका Vol.43.No.2, (ISSN0042-1818)
- डा. तोमर : शिवराज सिंह एवं डा. ओझा.एम.एस. ;2005द्ध ''ग्रामीण जनघनत्व का क्षेत्रिय स्वरूप (तहसील–पोरसा), जनपद मुरैना, मध्यप्रदेश Vol. 10.

- सिंह किरन, डा. सिंह तारकेश्वर (2011) ''जनपद सुलतानपुर में लिंगानुपात की स्थिति'' उत्तर भारत भूगोल पत्रिका दिसम्बर (ISSN0042-1618)
- लकड़ा, निरूपमा सुरभि (2013) ''झारखण्ड में साक्षरता का बदलता स्वरूप'' उत्तर भारत भूगोल पत्रिका Vol. 43. No.-4 (ISSN0042-1618)
- डा. सिंह तारकेश्वर (2002) ''केराकल तहसील (जनपद जौनपुर) में जनसंख्या की व्यवसायिक संरचना स्थानिक कालिक अध्ययन उत्तर भारत भूगोल पत्रिका
- चतुर्वेदी राम कुमार एवं राजा पी.बी. सिंह (2010) ''गगा – घाघरा दोआग के नगरों की व्यवसायिक संरचना – एक तुलनात्मक अध्ययन'' उत्तर भारत भूगोल पत्रिका Vol. 15, RNI NO UPBIL/1996/7631 ISSN0975.4903.